भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा

23.07.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 680 का उत्तर

बिहार में नई रेल लाइन के लिए सर्वेक्षण की स्थिति

680. श्री राजेश रंजन:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि बिहार में कुर्सेला-बिहारीगंज और किशनगंज-जलागढ़ के बीच नई रेल लाइन के निर्माण के लिए विस्तृत परियोजना तैयार करने के बाद निविदाएं आमंत्रित की गई हैं;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ग) आज की तारीख तक बिहारीगंज से मुरलीगंज-त्रिवेणीगंज-जदिया-भेमनगर होते हुए वीरपुर तक नई रेल लाइन के निर्माण के लिए सर्वेक्षण की स्थिति क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): रेल परियोजनाओं को लाभप्रदता, यातायात अनुमानों, अंतिम छोर संपर्कता, मिसिंग लिंक और वैकल्पिक मार्गों, संकुलित/संतृप्त लाइनों के संवर्धन, राज्य सरकारों, केन्द्रीय मंत्रालयों, संसद सदस्यों, अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई मांगों, रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकताओं, सामाजिक-आर्थिक महत्व आदि के आधार पर स्वीकृत किया जाता है जो चालू परियोजनाओं के थ्रो-फॉरवर्ड और निधियों की समग्र उपलब्धता पर निर्भर करता है।

कुरसेला-बिहारीगंज (58 किमी) नई लाइन और जलालगढ़-किशनगंज (51.87 किमी) नई लाइन परियोजनाओं को बजट 2008-09 में शामिल किया गया था। बहरहाल, कम यातायात अनुमानों के कारण इन परियोजनाओं को शुरू नहीं किया जा सका। इसके बाद, इन दोनों परियोजनाओं को पुनर्जीवित करने के लिए कई अभ्यावेदन प्राप्त हुए और बिक्रमशिला-कटरिया नई लाइन

परियोजना की मंजूरी के बाद कुर्सेला-बिहारीगंज नई लाइन एक परिचालनिक आवश्यकता बन गई है। अतः इन परियोजनाओं को शुरू करने का निर्णय लिया गया है।

मुरलीगंज, त्रिवेणीगंज, भीमनगर के रास्ते बिहारीगंज-बीरपुर नई लाइन परियोजना के लिए अलग से सर्वेक्षण शुरू किया गया है। क्षेत्र सर्वेक्षण पूरा हो गया है।

परियोजना की मंजूरी के लिए राज्य सरकारों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श और नीति आयोग, वित्त मंत्रालय आदि के मूल्यांकन जैसे आवश्यक अनुमोदन की आवश्यकता होती है।

*****